

# सेल

प्राथमिक सेल



द्वितीयक सेल



# प्राथमिक सेल

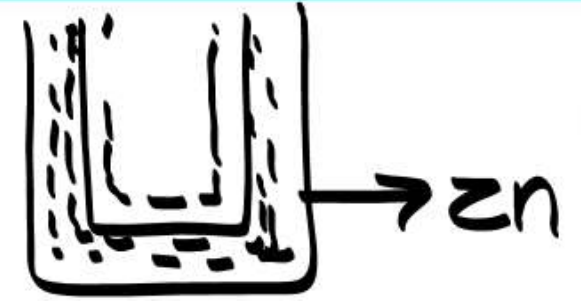
शुष्क सेल

1.5V

कैथोड - ग्रेफाइट  
ऐनोड - Zn-इड.



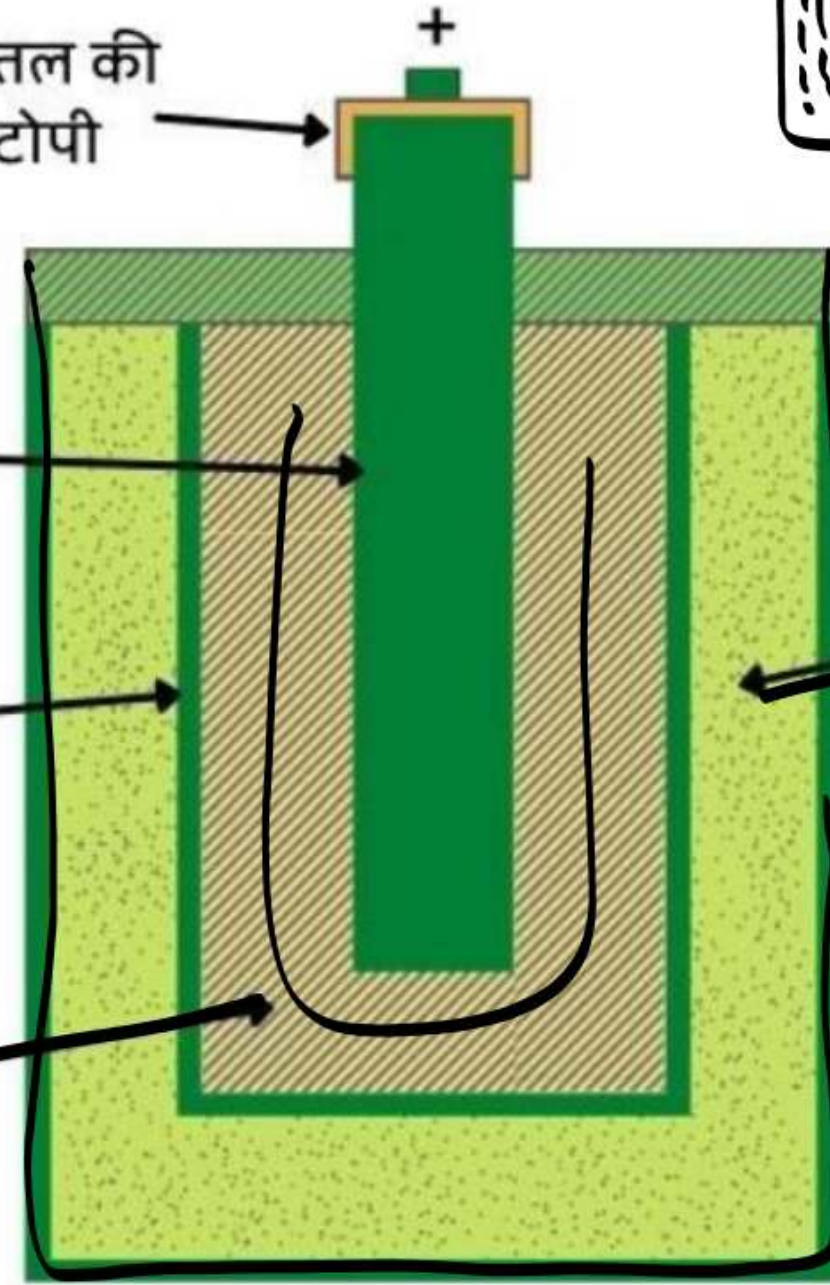
पीतल की टोपी



(कैथोड)  
ग्रेफाइट की छड़

मलमल की थैली

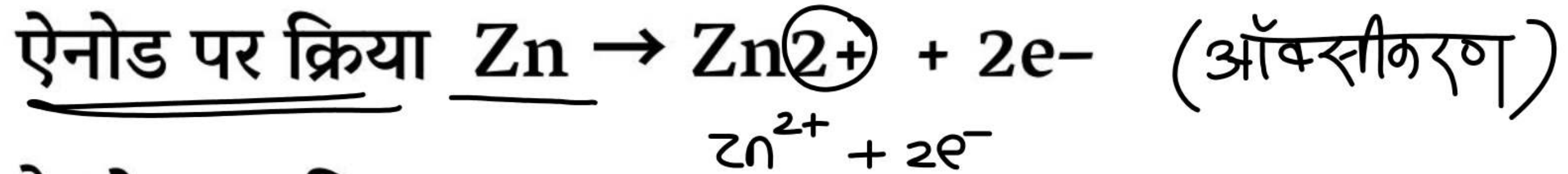
मैंगनीज डाई  
ऑक्साइड  
+  
कार्बन का चूर्ण



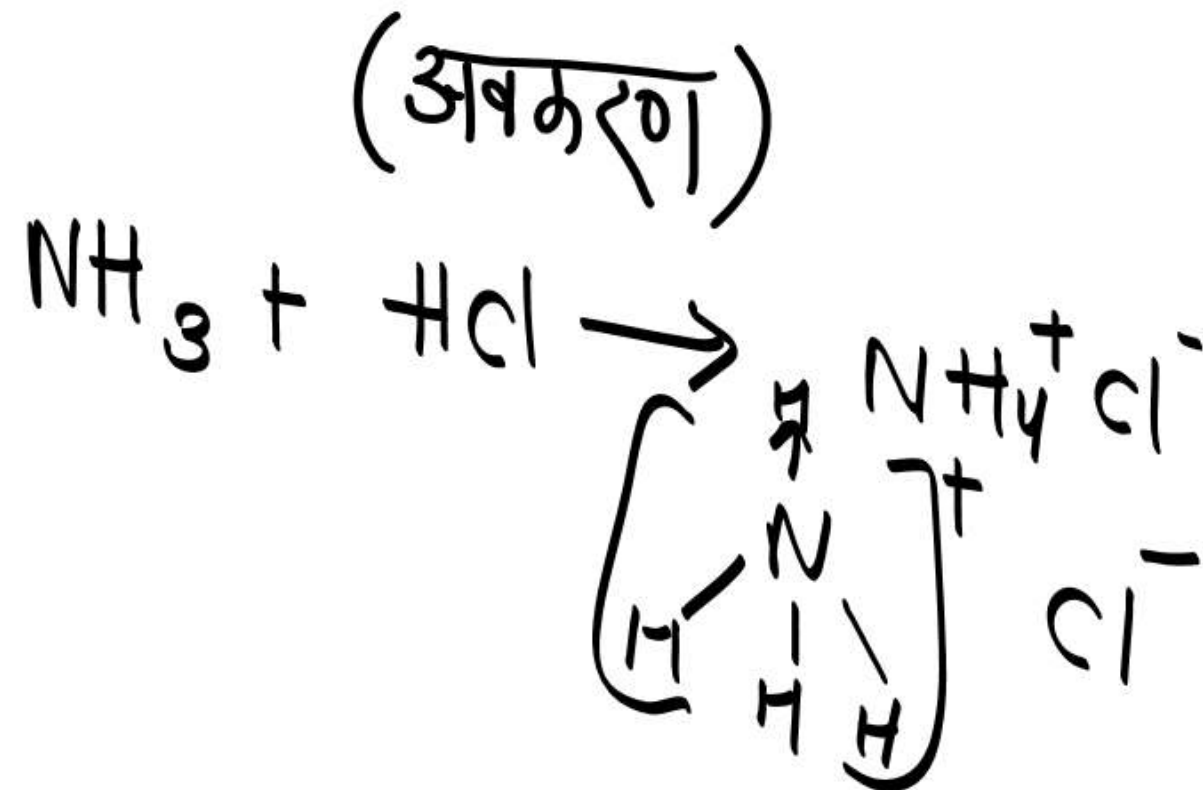
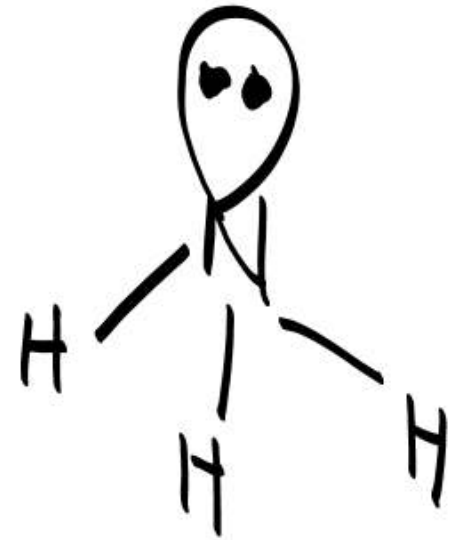
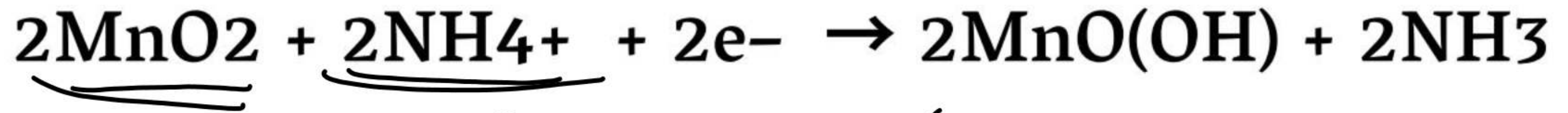
(पेस्ट)  
अमोनियम  
क्लोराइड  
+  
जिंक  
क्लोराइड

जस्ते का  
आवरण  
( एनोड )

# प्राथमिक सेल



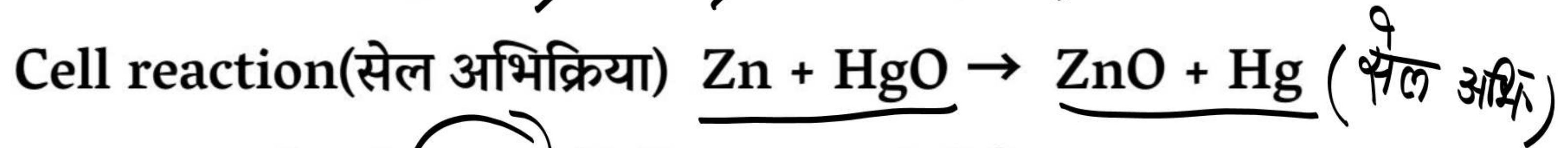
कैथोड पर क्रिया



## मरकरी सेल

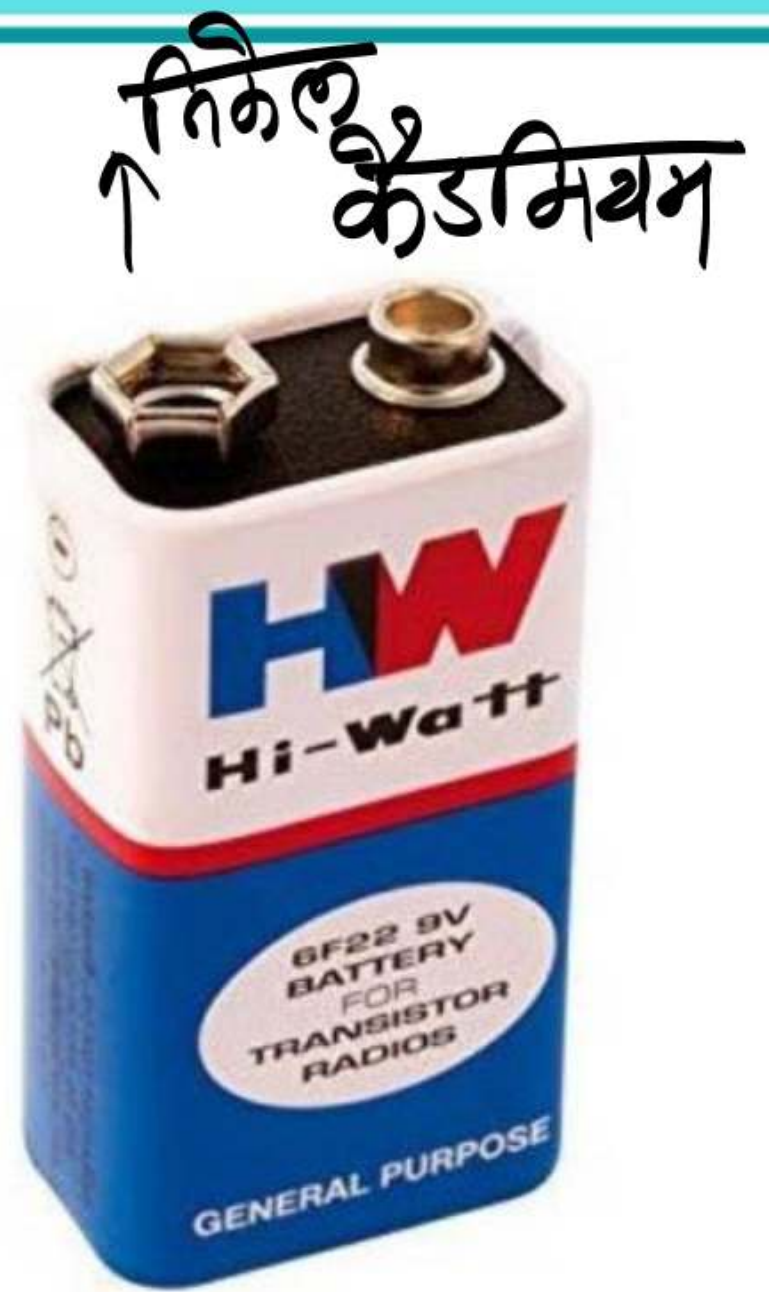
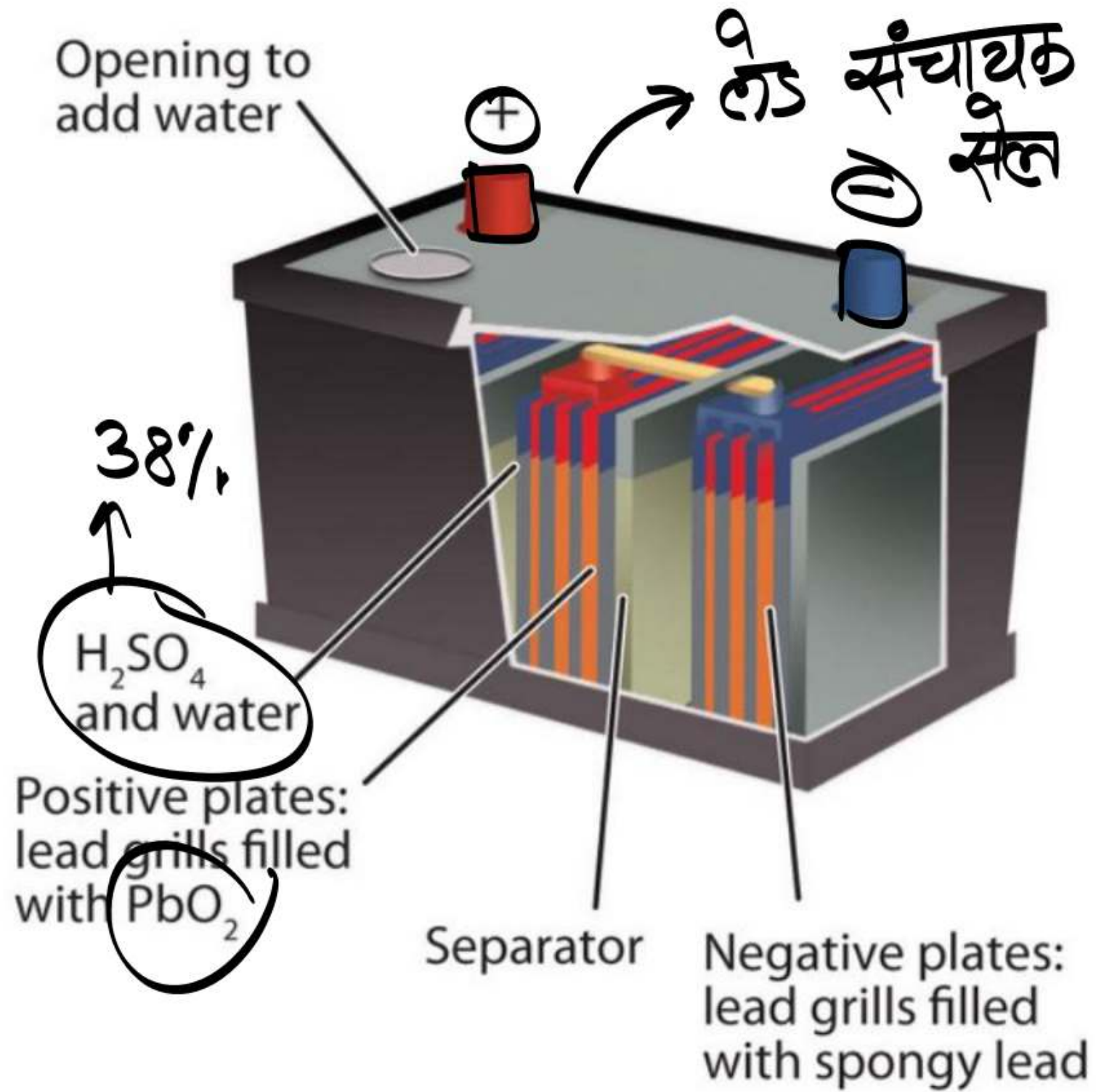
## प्राथमिक सेल

इन इन सेलों का उपयोग घड़ियों तथा कैमरों में किया जाता है जहां विद्युत की कम आवश्यकता होती है। मरकरी सेल में एनोड (Zn), Hg का बना होता है तथा विद्युत अपघट्य के रूप में ZnO व KOH का मिश्रण भरा होता है। सेल में निम्न क्रिया होती है

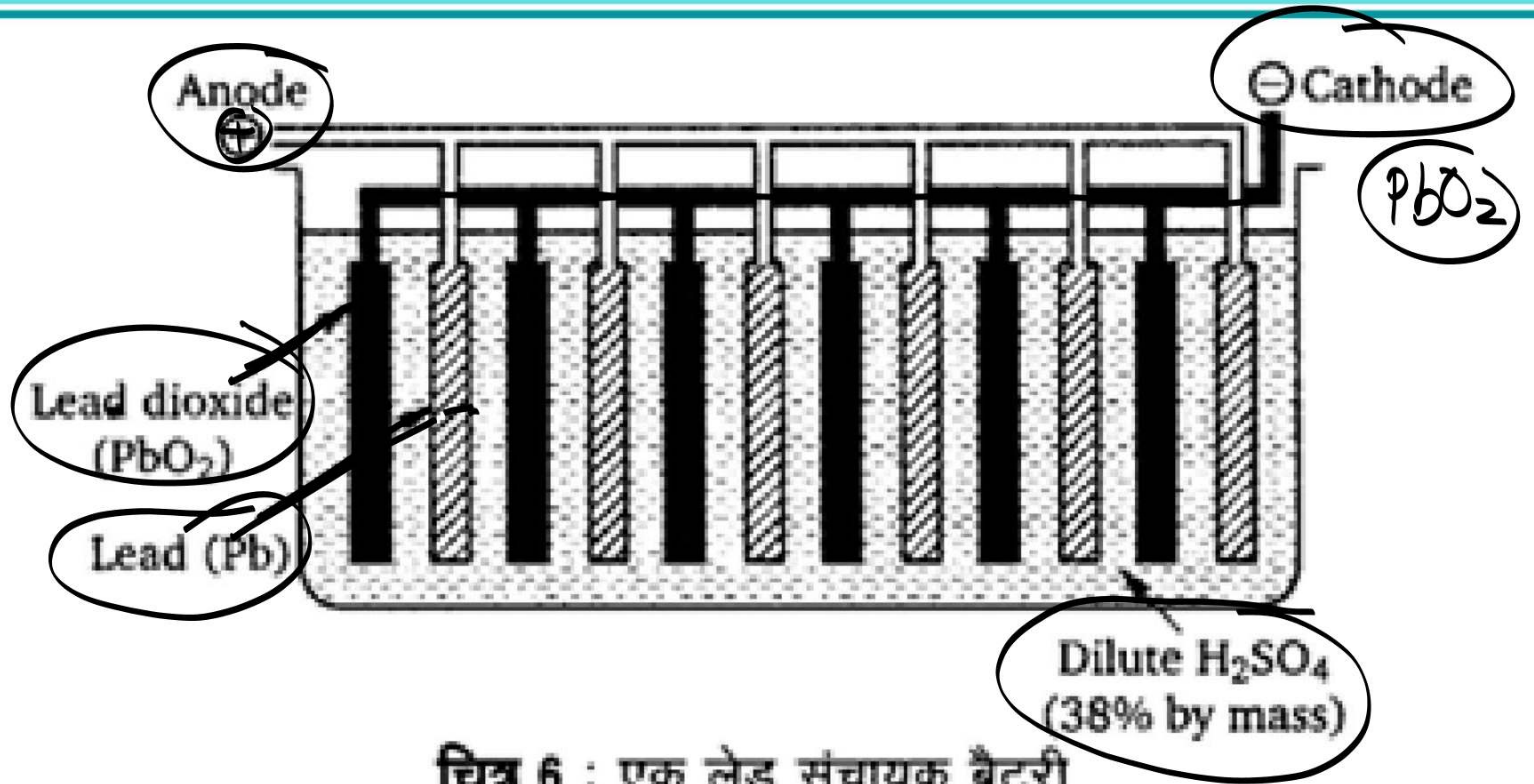


Note : इस सेल से 1.35v की विद्युत प्राप्त होती है।

# द्वितीयक सेल



# द्वितीयक सेल



चित्र 6 : एक लेड संचायक बैटरी

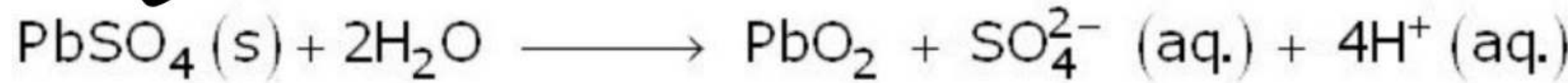
# द्वितीयक सेल

At cathode:



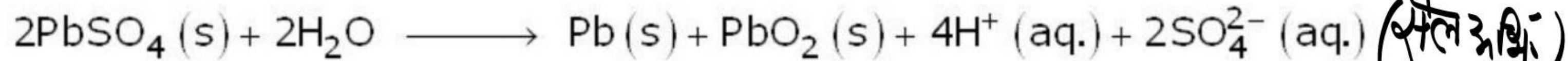
(अर्द्धसेल अभि.)

At anode:



(अर्द्धसेल अभि.)

Overall reaction:



(पूर्ण अभि.)

## द्वितीयक सेल

जब सेल को बाह्य विद्युत स्रोत से जोड़ते हैं अर्थात् सेल को आवेशित किया जाता है तो उपरोक्त अभिक्रिया विपरीत दिशा में होने लगती है।

